IIMA PRESS RELEASE 2013-14

IIMA to host 2nd AIM-AMA Sheth Foundation Doctoral Consortium

IIMA, January 4, 2014: Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA) is hosting the 2nd AIM-AMA Sheth Foundation Doctoral Consortium from 5th to 7th January, 2014. This is the second time the American Marketing Association (AMA) and the Sheth Foundation is holding the consortium outside of North America. In view of increasing focus on emerging markets, AMA and Academy of Indian Marketing (AIM) decided to organize doctoral consortium in India in the year 2012. In line with the IIM-Ahmedabad's efforts for becoming the hub of marketing in emerging economies the theme for the consortium is 'Marketing in Emerging Markets'.

The immediate objective of the consortium is to break spatial boundaries between marketing gurus and the doctoral students. The Consortium provides a platform for doctoral students to interact one on one with the best marketing researchers in the world and explore possibilities of research collaboration.

The consortium co-chairs are Dr. Jagdish Sheth (Founder, AIM), Dr. V. Kumar (Georgia State University), Dr. Dheeraj Sharma (IIM Ahmedabad) and Dr. Piyush K. Sinha (IIM Ahmedabad). Speaking on the occasion Prof. Dheeraj Sharma, Consortium co-chair said, "*AMA doctoral consortium is an excellent opportunity for doctoral students to interact, learn, and collaborate with the best marketing scholars of the world. I believe discussions during this event will further research in emerging markets context*".

The event will have participation of more than 40 marketing doctoral students from leading management institutions from India and abroad. In addition, more than 40 distinguished marketing faculties from across the world will participate to mentor the doctoral students. The consortium will also have a few corporate leaders to present industry needs for marketing research.

Individual events will be based on various topics such as *Linking Academic research to Business Practice, Facilitating Collaboration with the industry, Bridging research perspectives* as also core marketing topics such as *Branding & Marketing Strategy, Digital & Social Media Marketing* etc. This year the consortium has speakers from Wharton University, Yale University, Georgia State University, Brunel Business School, Cornell University, University of Cologne, INSEAD, University of Groningen and Universidade Nove de Julho etc. Some of the participating Indian business schools include Indian Institute of Management Ahmedabad (IIMA), Indian Institute of Management Bangalore (IIMB), Indian Institute of Management Lucknow (IIML), Indian School of Business (ISB), Shailesh J. Mehta School of Management (SJMSOM, IIT Bombay), MICA and SPJIMR etc.

In the USA, the Doctoral Consortium was originally conceptualized in 1966 in the U.S and has since provided an invaluable platform for aspiring doctoral students across leading universities to further their development through interactions with leading academics from around the globe. Each year qualified doctoral-granting institutions send their top doctoral students to learn from, and interact with the top marketing faculty from across the discipline.

In India, the consortium is being organized jointly by AIM and a host institution. IIMA hosting the doctoral consortium this year reflect its continued focus on marketing in emerging markets.

आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2013-14

आईआईएमए दूसरे एआईएम-एएमए शेठ फ़ाउंडेशन डॉक्टरेट सहायता संघ की मेजबानी करेगा

आईआईएमए, 4 जनवरी, 2014 : भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएमए) दूसरे एआईएम-एएमए शेठ फ़ाउंडेशन डॉक्टरेट सहायता संघ का आयोजन 5 से 7 जनवरी, 2014 को कर रहा है। यह दूसरी बार है जब अमेरिकी मार्केटिंग एसोसिएशन (एएमए) और शेठ फ़ाउंडेशन मिलकर इस सहायता संघ का आयोजन उत्तरी अमेरिका से बाहर कर रहे हैं। ऊभरते बाज़ारों पर बढ़ते आकर्षण को देखते हुए, एएमए और भारतीय बाज़ार अकादमी (एआईएम) ने भारत में वर्ष 2012 में डॉक्टरेट सहायता संघ का आयोजन करने का निर्णय लिया। ऊभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुख्य विपणन केन्द्र बनने के आईआईएम-अहमदाबाद के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए इस सहायता संघ का विषय 'ऊभरते बाज़ारों में बाज़ारीकरण' रखा गया है।

इस सहायता संघ का मूल उद्देश्य मार्केटिंग गुरुओं और डॉक्टरेट छात्रों के बीच की स्थानिक सीमाओं को मिटाना है। विश्व में सर्वोत्तम विपणन शोधकर्ताओं को एक-एक करके प्रत्येक डॉक्टरेट छात्रों को रूबरू बातचीत करने का मंच यह सहायता संघ प्रदान करता है और अनुसंधान के सहयोग की संभावनाओं को इस तरह से खोज निकाला जाता है।

इस सहायता संघ के उपाध्यक्ष हैं – डॉ. जगदीश शेठ (संस्थापक, एआईएम), डॉ. वी. कुमार (ज्योर्जिया स्टेट युनिवर्सिटी), डॉ. धीरज शर्मा (आईआईएम अहमदाबाद) और डॉ. पीयूष के. सिन्हा (आईआईएम अहमदाबाद)। इस अवसर पर प्रोफ़ेसर धीरज शर्मा, कंसोर्टियम सह-अध्यक्ष, ने बताया, "*एएमए डॉक्टरेट सहायता संघ डॉक्टरेट छात्रों के लिए विश्व के श्रेष्ठ मार्केटिंग विद्वानों के साथ वार्तालाप करने, सीखने एवं सहयोग करने के लिए एक उत्कृष्ठ अवसर है। इस समारोह के दौरान हो रहे विचार-विमर्शों से ऊभरते बाज़ारों के संदर्भ में अधिक अनुसंधान होंगे ऐसा मैं मानता हूँ।*"

भारत और अन्य देशों से प्रमुख प्रबंधन संस्थानों के 40 से अधिक विपणन में डॉक्टरेट छात्र इस सहायता संघ में उपस्थित रहेंगे। इसके उपरांत, विश्व भर से 40 से अधिक विपणन के प्रतिष्ठित संकाय इसमें भाग लेकर डॉक्टरेट छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे। इतना ही नहीं, विपणन अनुसंधान के लिए उद्योग की आवश्यकताओं की प्रस्तुति के लिए इस सहायता संघ में कुछ कॉर्पोरेट अग्रणी भी मौजूद रहेंगे।

लिंकिंग एकेडेमिक रिसर्च से लेकर *बिज़नेस प्रैक्टिस, फेसिलिटेटिंग कॉलेबरेशन विथ दी इंडस्ट्री, ब्रिजिंग रिसर्च पर्स्पेक्टिव्स* व साथ ही साथ मुख्य विपणन विषय जैसे कि, *ब्रांडिंग एंड मार्केटिंग स्ट्रेटेजी, डिजिटल एंड सोश्यल मीडिया मार्केटिंग* इत्यादि जैसे विभिन्न विषयों पर आधारित अलग अलग समारोह किए जाएँगे। इस वर्ष सहायता संघ में व्हार्टन युनिवर्सिटी, येल युनिवर्सिटी, ज्योर्जिया स्टेट युनिवर्सिटी, ब्रुनेल बिज़नेस स्कूल, कॉर्नेल युनिवर्सिटी, कॉलॉन युनिवर्सिटी, आईएनएसईएडी, ग्रोनिन्जन युनिवर्सिटी और नॉव द जुल्हो युनिवर्सिदाद आदि से वक्ता आयेंगे। भारतीय व्यवसाय स्कूलों से इसमें भाग लेने वाले स्कूलों में भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएमए), भारतीय प्रबंध संस्थान-बैंगलुरू (आईआईएमबी), भारतीय प्रबंध संस्थान-लखनऊ (आईआईएमएल), भारतीय व्यवसाय स्कूल (आईएसबी), शैलेष जे. मेहता प्रबंधन स्कूल (एसजेएमएसओएम, आईआईटी-मुम्बई), एमआईसीए, और एसपीजेआईएमआर इत्यादि शामिल हैं।

अमेरिका में मूलतः डॉक्टरेट सहायता संघ की अवधारणा 1966 में की गई थी और तभी से विश्व के इर्दगिर्द से प्रमुख युनिवर्सिटियों में से बातचीत के जरिये प्रत्याशी डॉक्टरेट छात्रों के अधिक विकास के लिए अनमोल मंच उपलब्ध करा रहा है। प्रति वर्ष अर्हताप्राप्त डॉक्टरेट की उपाधि देते संस्थान इस विषय से शीर्षस्थ मार्केटिंग संकायों सी कुछ सीखने एवं वार्तालाप करने के लिए अपने सक्षम डॉक्टरेट छात्रों को भेजते हैं।

भारत में, एआईएम और एक मेजबान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से इस सहायता संघ का आयोजन किया जा रहा है। आईआईएमए द्वारा इस वर्ष डॉक्टरेट सहायता संघ की मेजबानी करने पर उसके अपने उपक्रम - ऊभरते बाज़ारों में बाज़ारीकरण पर अधिक केंद्रित रहेगा।